राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 19 मार्च 2026

वर्ष 14,अंक 327, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

रोजगार सेवक की आत्महत्या पर गरमाई सियासतः अजय राय ने परिजनों से की मुलाकात...03

प्रधानमंत्री मोदी के आपत्तिजनक वीडियो मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला, विनोद तिवारी को मिली सशर्त जमानत...04

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

दिल्ली के उत्तमनगर में ईद पर 'खून की होली' खेलने की धमकी, कोर्ट पहुंचा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दौरान 26 साल के हिंदू युवक की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद इलाके में हालात काफी तनावपूर्ण हो गए हैं. वहीं इस मामले को लेकर सियासत भी तेज हो गई इस बीच विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल का बयान सामने आया है. उन्होंने इस मामले पर कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए पार्टी पर तीखा हमला किया है।

VHP प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा ' तरुण और सूरज जैसे पांच दर्जन से अधिक हिंदुओं को दिल्ली में मात्र एक दशक में जिहादियों द्वारा सरेआम मार दिया लेकिन, ना तो कांग्रेस और ना ही उसकी कोख में से जन्मे किसी अन्य सेक्युलर नेता के मुंह से निंदा के दो शब्द तक नहीं निकले. होली के बाद से जब इन घटनाओं से आहत हिंदू समाज सड़कों पर उतरा तो ये सब भी अपने अपने बिलों से बाहर निकल आए'।

'हिंदू कभी किसी पर पहला बार नहीं करता'

इसके आगे विनोद बंसल ने कहा 'अब ईद की आड़ में हमलों का डर दिखा कर जिहादियों को भड़काने और हिंदुओं को दबाने के अपने कुत्सित एजेंडे पर उतर आए. यह जानते हुए भी कि हिंदू कभी किसी पर यूं ही प्रहार या पहला बार नहीं करता, उसे बदनाम करने में उसका पूरा इको सिस्टम एक्टिव हो गया. बड़े बड़े नेता वीडियो, पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से दुष्प्रचार में जुट गए हैं. शासन व समाज को ऐसे विद्वेषक और विभाजनकारी गदे राजनैतिक मंसूबो वाले तत्वों से सावधान रहना होगा'।

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने अमित शाह को लिखा पत्र

इधर बिहार के किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोगों को खुलेआम धमकियां मिल रही हैं, जिससे इलाके में डर का माहौल बन गया है. उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर तुरंत संज्ञान लेने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में हुई किसी भी चूक के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है.उन्होंने नफरत फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देने का आग्रह किया है।

'मुस्लिम समुदाय को धमकाया जा रहा है'

कांग्रेस सासंद ने पत्र में लिखा उत्तम नगर में मुस्लिम समुदाय को सुनियोजित तरीके से धमकाया जा रहा है, उनके दैनिक जीवन में डर पैदा किया जा रहा है. यह केवल कानूनी मामला नहीं, बल्कि राज्य की समान सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता पर सवाल है. सार्वजनिक धमकियां, भड़काऊ नारे और नफरत भरी सामग्री ने राजधानी में ही लोगों को असुरक्षित कर दिया है।

संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 23 का हवाला

संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 23 का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि समानता, स्वतंत्रता और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार खतरे में हैं. भारतीय नागरिकता में डर की कोई जगह नहीं है. उन्होंने शाह से मांग की कि दिल्ली पुलिस को निर्देश दें, नफरत फैलाने वालों पर सख्ती करें. कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षा बढ़ाएं, पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र जांच कराएं और भरोसा बहाल करें।

हाई कोर्ट में याचिका दायर

इसके साथ ही ये मामला कोर्ट भी पहुंच गया है. उत्तम नगर में बढ़े सांप्रदायिक तनाव को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है. नागरिक अधिकारों के संरक्षण के लिए गठित संगठन (एपीसीआर) द्वारा दायर याचिका में आगामी ईद के त्योहार के दौरान उत्तम नगर में हिंसा की धमकियों को लेकर चिंता जताई गई है. इस मामले को आज सुबह मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए उठाया गया.एपीसीआर की ओर से वरिष्ठ वकील नित्या रामकृष्णन ने कहा कि इलाके के निवासियों को धमकियां दी जा रही हैं कि इस ईद पर 'खून की होली' खेली जाएगी।

याचिका में कही ये बात

वकील रामकृष्णन ने कहा 'ईद पर हिंसा की व्यापक धमकियां मिल रही हैं. सोशल मीडिया पर सभाएं आयोजित की जा रही हैं जिनमें लिखा है, 'खून की होली हम ईद पर खेलेंगे'. हमने पुलिस से संपर्क किया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की. हमें ईद के दौरान और उसके आसपास गंभीर हिंसा का डर है. हम पुलिस को तत्काल निर्देश देने की मांग करते हैं. कृपया इस तरह की धमकियों पर ध्यान दें'इसके बाद हाई कोर्ट ने मामले को आज सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

क्या है मामला

दरअसल 4 मार्च को होली के दौरान जेजे कॉलोनी इलाके में 26 साल के तरुण भुटोलिया के परिवार की एक लड़की ने अपने घर की छत से परिवार के एक सदस्य की ओर पानी का गुब्बारा फेंका, जो जमीन पर गिरा और गलती से वहां से गुजर रही एक महिला पर पानी के छींटे पड़ गए. बताया जाता है कि महिला ने पहले लड़की को डांटा और वहां से चली गई. बाद में उसी शाम, महिला और उसके परिवार के सदस्यों ने तरुण भुटोलिया को उस समय घेर लिया जब वह घर जा रहा था और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी.चूंकि महिला और उसका परिवार मुसलमान हैं, इसलिए इस घटना ने सांप्रदायिक रंग ले लिया. कुछ हिंदू संगठनों ने हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया और आरोपी परिवार के सदस्यों के दो वाहनों को आग लगा दी. वहीं 8 मार्च को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने इस मामले में आरोपी व्यक्तियों में से एक के घर के कुछ अवैध हिस्सों को ध्वस्त कर दिया. इस कदम को हाई कोर्ट में चुनौती दिए जाने के बाद, एमसीडी ने बताया कि ध्वस्त ढांचा अतिक्रमित भूमि पर बना था, हालांकि, कोर्ट ने एमसीडी को मौखिक रूप से निर्देश दिया कि वह आगे कोई भी विध्वंस कार्य न करे।

18 ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोका, 11.17 करोड़ के खर्च पर उठे सवाल

गोण्डा। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के लिए खर्च की गई 11.17 करोड़ रुपये की धनराशि के अभिलेख प्रस्तुत न करने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। डीपीआरओ द्वारा 18 ग्राम पंचायत सचिवों के मार्च माह के वेतन पर रोक लगा दी गई है और उनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार वर्ष 2016-17 से 2023-24 के बीच जिले की 82 ग्राम पंचायतों में उक्त धनराशि खर्च दर्शाई गई है। जिला लेखा परीक्षा समिति द्वारा किए गए ऑडिट में कई मामलों में अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए, जिससे खर्च की पुष्टि नहीं हो सकी। इसके बाद संबंधित सचिवों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिन सचिवों का वेतन रोका गया है, उनमें शामिल हैंः अवधेश पांडेय (पंडरी कृपाल), शैलेन्द्र कुमार मौर्य (छपिया), अमित मिश्र (इटियाथोक), राधेश्याम प्रजापति (रुपईडीह), पप्पूराज सिंह (परसपुर), विनय कुमार (तरबगंज), बीना सिंह (करनैलगंज), उमेश चंद्र द्विवेदी (मनकापुर), अजय पांडेय (हलधरमऊ), राजीव यादव (वजीरगंज), योगेश द्विवेदी (रुपईडीह), सुनीता रानी (छपिया), शशिकांत सिंह (बेलसर), राहुल वर्मा (पंडरी कृपाल), विमलेश कुमार (करनैलगंज), नितेश कुमार (बेलसर), पप्पू सिंह (नवाबगंज) तथा विंध्यवासिनी भारती (रुपईडीह)।

संक्षिप्त ख़बरें

मुख्यमंत्री ने जो किया, वो ठीक नहीं... IPAC ED रेड में ममता बनर्जी की भूमिका से नाराज सुप्रीम कोर्ट

IPAC ईडी रेड मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें राज्य सरकार ने कोर्ट से एक बार फिर समय मांगा है. वकील कपिल सिबल ने कोर्ट में जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारी की पीठ के समक्ष समय मांगने के लिए याचिका दायर की. इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, समय बर्बाद करने की कोशिश की जा रही है. मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप हैं. वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने ईडी रेड के दौरान ममता बनर्जी की एंट्री पर सख्त टिप्पणी की. कोर्ट ने कहा, जो हुआ, वह सुखद स्थिति नहीं है. यह असामान्य है. कोर्ट ने राज्य सरकार को याद दिलाया कि अदालत पहले ही 4 सप्ताह का समय दे चुकी है. सिबल ने तब कहा, हम जवाब दाखिल करना चाहते हैं. ईडी और अन्य जांच एजेंसियों को किसी अपराध की जांच करने का अधिकार कानून द्वारा दिया गया है, जांच करना कोई मौलिक अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री केंद्रीय एजेंसी की जांच में दखल दे रही हैं

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, बहुत अजीब बात है कि मुख्यमंत्री केंद्रीय एजेंसी की जांच में दखल दे रही हैं. 4 हफ्ते बीत जाने के बाद भी कुछ जमा करने के लिए समय मांग रही हैं. इसके जवाब में वकील श्याम दीवान ने तर्क दिया, हमें अपना बयान जमा करने का समय नहीं मिल रहा है. इस पर कोर्ट ने कहा, समय बर्बाद करने की कोशिश की जा रही है क्योंकि 4 हफ्ते का समय पहले ही दिया जा चुका है।

किसी तीसरे व्यक्ति को अंदर आने की अनुमति नहीं

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, जिस तरह से मुख्यमंत्री ने जांच के दौरान जबरदस्ती दखल दिया, वह बहुत ही 'असामान्य' है. इससे पहले ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया था, जिसमें कहा था कि राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा गार्डों के बीच आमने-सामने की झड़प से बचने के लिए ईडी अधिकारियों को तलाशी रोकनी पड़ी. कोई भी जांच एजेंसी तलाशी के दौरान किसी तीसरे व्यक्ति को अंदर आने और सामान ले जाने की अनुमति नहीं दे सकती।

भोपाल में ED का बड़ा एक्शन, मिल्क मैजिक कंपनी की 20.59 करोड़ की संपत्ति जब्त, मिलावटी डेयरी प्रोडक्ट्स का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भोपाल में बड़ी कार्रवाई की है. श्रृष्ठ ने जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (Jayshri Gayatri Food Products Pvt Ltd) और उसके मैनेजिंग डायरेक्टर किशन मोदी की 11 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर दिया है. इन संपत्तियों की कुल कीमत करीब 20.59 करोड़ रुपये बताई जा रही है. ED की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हुई है. इस मामले की शुरुआत भोपाल के हबीबगंज थाने में 29 अगस्त 2023 को दर्ज FIR और EOW भोपाल की 22 जुलाई 2024 की FIR से हुई थी. जिसके बाद इन शिकायतों के आधार पर ED ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की. जांच के दौरान कई कई बड़े खुलासे हुए।

डेयरी प्रोडक्ट्स में भारी मिलावट

ED की जांच में सामने आया कि कंपनी Milk Magic ब्रांड के नाम से डेयरी प्रोडक्ट्स बनाकर बेच रही थी, लेकिन इनमें भारी मिलावट की जा रही थी. जांच में पता चला कि दूध की असली फैट की जगह पाम ऑयल और अन्य हानिकारक केमिकल्स मिलाए जा रहे थे. जांच में यह भी पता चला कि ये मिलावटी प्रोडक्ट्स सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी एक्सपोर्ट किए जा रहे थे।

कंपनी ने फर्जी टेस्ट रिपोर्ट तैयार की

ED के मुताबिक एक्सपोर्ट की मंजूरी लेने के लिए कंपनी ने नामी लैब्स की फर्जी टेस्ट रिपोर्ट तैयार की और उन्हें Export Inspection Agency (EIA), इंदौर में जमा कराया. जब इन रिपोर्ट्स की पुष्टि की गई तो संबंधित लैब्स ने साफ कर दिया कि उन्होंने ऐसी कोई रिपोर्ट जारी ही नहीं की थी, यानी ये पूरी तरह फर्जी थीं।

करीब 20.59 करोड़ रुपए की कमाई

ED की जांच में खुलासा हुआ कि इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनी ने मिलावटी डेयरी प्रोडक्ट्स का निर्यात कर करीब 20.59 करोड़ रुपए की कमाई की. यह रकम Axis Bank और HDFC Bank के खातों में जमा हुई, जिसे ED ने प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानी अवैध कमाई माना है।

मैनेजिंग डायरेक्टर किशन मोदी गिरफ्तार

इससे पहले श्रृष्ठ ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर किशन मोदी को 13 मार्च 2026 को गिरफ्तार किया था. उसे पहले ED की कस्टडी में रखा गया और 18 मार्च 2026 को कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया. फिलहाल इस पूरे मामले में जांच जारी है और एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और विदेशी कनेक्शन की भी जांच पड़ताल कर रही हैं. आने वाले समय में इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

गुरुग्राम के पालम विहार में अवैध निर्माणों पर बड़ी कार्रवाई, मकान सील होंगे, कनेक्शन कटेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नया गुरुग्राम। पालम विहार में अवैध निर्माण के विरूद्ध टाउन एंड कंट्री प्लानिंग निदेशालय ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। विभाग ने कई अवैध रूप से बने आवासीय यूनिट्स को तुरंत सील करने और उनकी बिजली, पानी व सीवर कनेक्शन काटने के निर्देश जारी किए हैं। यह कार्रवाई मई 2025 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद की जा रही है। कोर्ट ने क्षेत्र के निवासियों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अधिकारियों को मामले की जांच कर निर्धारित समय में उचित आदेश जारी करने को कहा था। जुलाई 2025 में पालम विहार आरडब्ल्यूए सहित स्थानीय निवासियों द्वारा दी गई नई शिकायत के आधार पर विभाग ने सी-टू ब्लाक में सुनवाई की और निर्माण नियमों के उल्लंघन की जांच की।

क्या है मामला?

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कई प्लॉट मालिकों ने एक प्लॉट पर कई-कई आवासीय यूनिट्स (प्रति मंजिल चार तक) बना लिए, जो हरियाणा बिल्डिंग कोड -2017 के नियमों का उल्लंघन है। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि इन अवैध निर्माणों से क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आसपास के निवासियों को असुविधा हो रही है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया कि कई अवैध निर्माण अब भी उपयोग में हैं और उनमें लोग रह रहे हैं, जबकि पहले भी कुछ मामलों में कार्रवाई की जा चुकी थी।

10 से अधिक संपत्तियों की पहचान

आदेश के साथ संलग्न स्थिति रिपोर्ट में 10 से अधिक संपत्तियों की पहचान की गई है, जहां अतिरिक्त एफएआर और एक प्लाट पर कई यूनिट्स बनाए गए हैं। वर्ष 2022 से 2024 के बीच कई मामलों में एफआइआर भी दर्ज की जा चुकी है। कुछ इमारतों को पहले सील किया गया था, लेकिन मालिकों के आश्वासन के बाद उन्हें दोबारा खोल दिया गया। विभाग ने यह भी पाया कि कुछ मामलों में आक्यूपेशन सर्टिफिकेट ओसी जारी किए गए, जिससे निगरानी और अनुपालन पर सवाल उठे हैं। अब विभाग ने सख्ती बढ़ाते हुए कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। ताजा आदेश में जिला नगर योजनाकार इन्फोर्समेंट (डीटीपीई) गुरुग्राम को निर्देश दिए गए हैं कि सभी अवैध निर्माण तुरंत सील किए जाएं, ऐसे मकानों की रजिस्ट्री पर रोक लगाने के लिए सब-रजिस्ट्रार को कहा जाए और बिजली निगम व नगर निगम गुरुग्राम के साथ मिलकर बिजली, पानी व सीवर कनेक्शन काटे जाएं। इसके अलावा सब-रजिस्ट्रार-कम-डिप्टी कमिश्नर को अवैध रूप से की गई रजिस्ट्रियों की जांच करने और भविष्य में ऐसी रजिस्ट्री रोकने के निर्देश दिए गए हैं। सी-टू ब्क के एक मकान नंबर 1310 का आक्यूपेशन सर्टिफिकेट रद करने के भी निर्देश दिए गए हैं। कई मकानों के ओसी पहले ही रद किए जा चुके हैं।

लखनऊ के बिजनौर में माड गैलेक्सी सिटी के 9 अवैध रो-हाउस बुलडोजर से ध्वस्त

● LDA की कार्रवाई से खलबली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। एलडीए ने बुधवार को अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिजनौर स्थित अवैध माड गैलेक्सी सिटी पर बुलडोजर चलाया। दिन भर चली कार्रवाई के दौरान 9,500 वर्गफीट क्षेत्रफल में निर्मित नौ रो-हाउस भवनों को ध्वस्त किया गया। गुडंबा में 19 अवैध रो-हाउस भवन व ठाकुरगंज में तीन अवैध व्यावसायिक निर्माण सील किए गए हैं।

प्रवर्तन जोन-दो के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया, बिजनौर थानाक्षेत्र के औरंगाबाद खालसा में बिल्डर मोहम्मद इमरान द्वारा अवैध रूप से माड गैलेक्सी सिटी विकसित करते हुए रो-हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। एलडीए से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना 9,500 वर्गफीट क्षेत्रफल में बन रहे रो-हाउस भवनों को ध्वस्त करने का आदेश कोर्ट ने दिया था। प्रवर्तन टीम ने बुधवार को दिन भर चली कार्रवाई के दौरान नौ रो-हाउस भवनों का अवैध स्ट्रक्चर को ध्वस्त कर दिया है।

प्रवर्तन जोन-सात के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया, ठाकुरगंज में जल निगम रोड पर अभियान चलाकर कार्रवाई की गयी। सैय्यद सिबते मोहम्मद द्वारा 150 वर्गमीटर, चंद्र प्रकाश अवस्थी द्वारा 200 वर्गमीटर और जगदेव सिंह द्वारा 250 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंडों पर अवैध रूप से व्यावसायिक भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। तीनों अवैध निर्माण को सील कर दिया गया है।

प्रवर्तन जोन-पांच की जोनल अधिकारी वंदना पांडेय ने बताया, सिद्धार्थ, एएम अंसारी, मोहम्मद जोएब व अन्य गुडंबा में कंचना बिहारी मार्ग पर 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 10 रो-हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। जितेंद्र जुमनानी द्वारा 400 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड पर चार रो-हाउस भवन और बिल्डर अलताब द्वारा 300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पांच रो-हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। एलडीए से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना अवैध रूप से निर्मित हो रहे 19 रो-हाउस भवनों को सील कर दिया गया।

हिमाचल प्रदेश में 'कैबिनेट रैंक' खत्म, मुख्यमंत्री सुक्खू के फैसले पर विपक्ष का हमला, कहा- खजाना अपने 'खास मित्रों' में लुटाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आर्थिक तंगी से जूझ रही हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने विभिन्न अथॉरिटीज को दिए गए कैबिनेट रैंक के दर्जे को वापस लेने का निर्णय लिया है. बुधवार को राज्य सरकार के प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी है. प्रदेश सरकार के इस फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने हमला बोला है. उन्होंने कहा कि कैबिनेट रैंक वापस लेने की हालिया प्रक्रिया महज जनता की आंखों में धूल झोंकने का एक असफल प्रयास है. राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार ने विभिन्न प्राधिकरणों को दिए गए कैबिनेट रैंक के दर्जे को वापस लेने का निर्णय लिया है. इसमें बोर्ड, निगम और आयोगों के चेयरमैन, वाईस चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन, प्रधान सलाहकार और राजनीतिक सलाहकार शामिल हैं. सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि यह निर्णय प्रशासनिक प्रोटोकॉल को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के तहत लिया गया है. इस निर्णय के साथ ही इन पदों को दिए गए कैबिनेट रैंक से संबंधित सभी प्रावधान तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिए गए हैं. उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, संबंधित अधिकारियों के वेतन और मासिक भत्तों का 20 प्रतिशत हिस्सा 30 सितंबर, 2026 तक स्थगित रहेगा. प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि इस निर्णय को शीघ्रता से लागू किया जा सके और उनके अधीन सभी विभागों में इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

खजाना अपने 'खास मित्रों' में लुटाया

सरकारी संस्थानों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कैबिनेट रैंक वापस लेने की हालिया प्रक्रिया महज जनता की आंखों में धूल झोंकने का एक असफल प्रयास है, क्योंकि यदि सरकार वास्तव में फिजूलखर्ची रोकना चाहती थी, तो यह निर्णय न्यायालय द्वारा मुख्य संसदीय सचिवों को हटाए जाने के तुरंत बाद लिया जाना चाहिए था. अंत में उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि जब सारा सरकारी खजाना अपने 'खास मित्रों' में लुटा दिया गया है, तब केवल सुर्खियां बटोरने के लिए किए जा रहे ऐसे दिखावटी पैंतरे जनता स्वीकार नहीं करेगी और सरकार को सदन के भीतर एक-एक पैसे के हिसाब और अपने कुशासन का जवाब देना ही होगा।

कानून व्यवस्था और वित्तीय संकट पर सरकार को घेरा

विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान सरकार पर चौतरफा हमला बोलते हुए भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था और राज्य के प्राकृतिक व वित्तीय संसाधनों की कथित लूट को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. जयराम ठाकुर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आगामी विधानसभा सत्र सरकार के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहने वाला है क्योंकि विपक्ष ने प्रदेश में ठप पड़े विकास कार्यों, कानून व्यवस्था की दयनीय स्थिति और अन्य जनहित के मुद्दों पर नियमबद्ध नोटिस दिए हैं, जिनका जवाब देना सरकार के लिए टेढ़ी खीर साबित होगा. पूरे प्रदेश में इस समय कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ अविश्वास का एक माहौल खड़ा हुआ है. जो ये दर्शाता है कि जनता इस सरकार से खुश नहीं है।

सरकार पर झूठ बोलकर गुमराह करने का आरोप

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री पर सदन को लगातार झूठ बोलकर गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है और मुख्यमंत्री के भ्रामक बयानों को विशेषाधिकार हनन का मामला मानते हुए इसकी गहन जांच की आवश्यकता है. उन्होंने परंपराओं के उल्लंघन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के संसदीय इतिहास में संभवतः यह पहली बार हुआ है जब राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा को जानबूझकर लंबित रखा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सरकार इस समय भारी असमंजस और वैचारिक भटकाव की स्थिति से गुजर रही है. राज्य की चरमराती आर्थिक स्थिति को सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने वित्तीय संकट और विकास कार्यों पर लगे 'विराम' को लेकर सरकार से जवाब मांगा है, लेकिन सत्ता पक्ष के पास इन बुनियादी सवालों का कोई ठोस उत्तर नहीं है.

धारा 118 के नाम पर लोगों को गुमराह कर हो रही अवैध उगाही

जयराम ठाकुर ने प्रदेश में सक्रिय भू-माफिया और बिचौलियों पर प्रहार करते हुए कहा कि धारा 118 के नाम पर लोगों को गुमराह कर अवैध उगाही करने वाला एक बड़ा गिरोह सक्रिय है, जिसके चलते प्रदेश से उद्योगों का निरंतर पलायन हो रहा है और साढ़े तीन साल बीत जाने के बाद भी जनहित के संस्थानों को बंद करने का सिलसिला थमा नहीं है. भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने एंटी करप्शन ब्यूरो और विजिलेंस विभाग को सूचना का अधिकार के दायरे से बाहर करने के निर्णय पर कड़ी आपत्ति जताई और सवाल किया कि आखिर सरकार ऐसी कौन सी गोपनीय बातें हैं जिन्हें जनता से छिपाना चाहती है।

मुख्यमंत्री पर बोला हमला

उन्होंने तंज कसा कि जिस आरटीआई कानून को डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार पारदर्शी शासन के लिए लाई थी, वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू उसी कानून की धज्जियां उड़ाकर उसे राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता स्थाई नहीं होती और अब उनके पास गिने-चुने दिन ही शेष बचे हैं।

अध्ययन, मनन से संस्कार और ज्ञान के खुलते चक्षु

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अत: मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदोद्य उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंत:करण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंत:करण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। 'पंचतंत्र'तथा 'हितोपदेश' इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों में खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

होर्मुज संकट और वैश्विक टकराव की नई दिशा क्या अमेरिका फंस गया है ईरान के जाल में

मध्य पूर्व में चल रहा तनाव अब एक नए और जटिल मोड़ पर पहुंच चुका है जहां अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष केवल सैन्य शक्ति का नहीं बल्कि रणनीति और वैश्विक प्रभाव का भी बन गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुरुआत में जिस तेजी से जीत का दावा किया था वह अब उतना स्पष्ट नहीं दिख रहा है। अब उनका फोकस ईरान को कमजोर करने से हटकर दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने पर आ गया है। यही बदलाव इस पूरे संघर्ष की दिशा और गंभीरता को दर्शाता है।

इस संघर्ष के पहले चरण में अमेरिका ने यह मान लिया था कि शुरुआती हमलों के बाद ईरान जल्दी झुक जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ईरान ने लगातार जवाबी हमले किए और वह भी कई देशों तक फैलाकर। इससे यह स्पष्ट हुआ कि ईरान केवल बचाव नहीं कर रहा बल्कि सक्रिय रणनीति के तहत क्षेत्रीय दबाव बना रहा है। अमेरिकी ठिकानों पर हमले और संचार तंत्र को नुकसान पहुंचाना इस बात का संकेत है कि ईरान तकनीकी और सैन्य स्तर पर तैयार था।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुसार ईरान के पास अभी भी पर्याप्त संवर्धित यूरेनियम मौजूद है जिससे यह संकेत मिलता है कि वह दीर्घकालिक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। इसका मतलब यह है कि अमेरिका के शुरुआती हमले निर्णायक नहीं रहे।

इस पूरे संघर्ष का सबसे अहम केंद्र होर्मुज स्ट्रेट बन गया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया की ऊर्जा सप्लाई की रीढ़ माना जाता है। यहां से रोजाना करोड़ों बैरल तेल और गैस गुजरती है। जब ईरान ने इस मार्ग पर नियंत्रण स्थापित किया तो वैश्विक बाजार में तुरंत असर दिखाई दिया। तेल की कीमतों में तेजी आई और कई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा।

यही वह कारण है कि ट्रम्प को अब अकेले लड़ना मुश्किल लग रहा है और उन्होंने नाटो के साथ साथ चीन और जापान जैसे देशों से मदद की अपील की है। यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिका इस संकट को केवल अपनी सैन्य ताकत से हल नहीं कर पा रहा है।

चीन और जापान से मदद मांगना एक रणनीतिक मजबूरी भी है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक है और उसकी अर्थव्यवस्था इस मार्ग पर निर्भर है। जापान भी ऊर्जा के लिए इस रास्ते पर निर्भर करता है। इसलिए अमेरिका चाहता है कि ये देश भी इस मिशन में शामिल हों ताकि एक वैश्विक दबाव बनाया जा सके।

हालांकि इन देशों की प्रतिक्रिया बहुत सतर्क रही है। कोई भी देश सीधे सैन्य हस्तक्षेप के लिए तैयार नहीं दिख रहा। इसका मुख्य कारण जोखिम है। होर्मुज स्ट्रेट बेहद संकरा मार्ग है और यहां किसी भी सैन्य कार्रवाई का मतलब सीधा खतरा है। ईरान ने यहां समुद्री माइन्स बिछाने की रणनीति अपनाई है जो किसी भी जहाज के लिए जानलेवा हो सकती है।

समुद्री माइन्स को हटाना आसान काम नहीं है। आधुनिक माइन्स को पहचानना मुश्किल होता है और उन्हें निष्क्रिय करना जोखिम भरा होता है। इसके अलावा ईरान के पास मिसाइल और ड्रोन क्षमता भी है जिससे वह किसी भी ऑपरेशन को बाधित कर सकता है। इस कारण कोई भी देश अपनी नौसेना को सीधे खतरे में डालने से बच रहा है।

एक और बड़ी चुनौती है कई देशों की सेनाओं का एक साथ संचालन। अलग अलग देशों की तकनीक कम्युनिकेशन और रणनीति अलग होती है। ऐसे में संयुक्त ऑपरेशन करना बेहद जटिल हो जाता है। यही वजह है कि अब तक कोई ठोस सैन्य गठबंधन सामने नहीं आया है।

इस संकट का एक और पहलू है इसका वैश्विक असर। दुनिया की लगभग बीस प्रतिशत तेल सप्लाई इसी मार्ग से गुजरती है। अगर यह मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो तेल की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ सकती हैं। इससे महंगाई बढ़ेगी और कई देशों की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा।

भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति और भी संवेदनशील है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से पूरा करता है। अगर सप्लाई बाधित होती है तो इसका सीधा असर पेट्रोल डीजल और गैस की कीमतों पर पड़ेगा। इससे आम लोगों के जीवन पर असर पड़ेगा और आर्थिक दबाव बढ़ेगा।

भारत ने इस पूरे मामले में संतुलित रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रहे हैं ताकि भारतीय जहाज सुरक्षित रह सकें और सप्लाई बनी रहे। भारत न तो सीधे इस संघर्ष में शामिल होना चाहता है और न ही अपने हितों को नुकसान होने देना चाहता है।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं जीते जाते बल्कि आर्थिक और रणनीतिक नियंत्रण ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण करके अमेरिका को एक ऐसी स्थिति में ला दिया है जहां उसे वैश्विक समर्थन की जरूरत पड़ रही है।

अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती अब यह है कि वह बिना युद्ध को और बढ़ाए इस मार्ग को कैसे सुरक्षित बनाए। अगर संघर्ष और बढ़ता है तो इसमें और देश शामिल हो सकते हैं जिससे स्थिति और जटिल हो जाएगी।

अंत में यह कहा जा सकता है कि यह संघर्ष अभी निर्णायक स्थिति में नहीं पहुंचा है। न तो अमेरिका पूरी तरह जीत पाया है और न ही ईरान पीछे हटने को तैयार है। होर्मुज स्ट्रेट इस टकराव का केंद्र बना हुआ है और जब तक इसका समाधान नहीं निकलता तब तक वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बनी रहेगी।

कांतिलाल मांडोत

तपता मार्च, सूखता पानी: क्या हम असली समस्या से भाग रहे हैं?

[वसंत गायब, तपिश हावी: बदलते मौसम का खतरनाक संकेत]

[तपता आसमान, सूखती धरती: क्या यह जलवायु आपातकाल का संकेत है?]

सुबह की हवा में अब वसंत की ठंडक नहीं, गर्मी की तीखी आहट है, और यही हाल कई शहरों में फैल चुका है। मार्च 2026 में दिल्ली में पारा 35.7एष्ट तक पहुंचा - पहले सप्ताह का 50 साल का सबसे गर्म मार्च - जबकि गुजरात, राजस्थान, विदर्भ और मध्य प्रदेश के कई इलाकों में तापमान 38-42एष्ट तक पहुंच गया। लखनऊ, जयपुर, भोपाल, इंदौर जैसे शहर भी इस असामान्य गर्मी की चपेट में हैं। यह क्षणिक बदलाव नहीं, बल्कि बदलती जलवायु की स्पष्ट तस्वीर है जो पूरे देश की दिनचर्या में समा रही है। जो मार्च कभी हल्की धूप और सुकून का महीना था, अब तपिश और सूखेपन का अनुभव बन गया है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि लंबे समय की अनदेखी का नतीजा है, जिसे हम 'नया सामान्य' मानने लगे हैं।

मार्च के शुरुआती दिनों में ही बढ़ती गर्मी ने मौसम की पुरानी धारणाएं तोड़ दी हैं। जो तपिश कभी अप्रैल-मई तक सीमित थी, वह अब पहले ही सप्ताह में रिकॉर्ड बना रही है। यह सिर्फ समय का बदलाव नहीं, बल्कि बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन का संकेत है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया। चिंताजनक यह है कि पहाड़ी क्षेत्र भी अब इससे अछूते नहीं, साफ है कि जलवायु परिवर्तन सीमाएं पार कर चुका है। यह फैलता संकट हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है और हमें सोचने पर मजबूर कर रहा है कि क्या हमने प्रकृति से अपना संतुलन खो दिया है।

इस बढ़ती गर्मी के साथ जल संकट भी तेजी से गहराता जा रहा है। बड़े जलाशयों का घटता स्तर किसी सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव का नहीं, बल्कि गंभीर असंतुलन का संकेत है। मार्च में ही जब पानी आधा रह जाए, तो आने वाले महीनों का संकट साफ दिखाई देता है। इसका असर सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं, गांवों में किसान फसलों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। नदियां कमजोर पड़ रही हैं, भूजल नीचे जा रहा है और पानी की हर बूंद की अहमियत बढ़ती जा रही है। यह हालात स्पष्ट करते हैं कि जलवायु परिवर्तन केवल गर्मी नहीं बढ़ा रहा, बल्कि हमारे जल संसाधनों को भी तेजी से खत्म कर रहा है। तापमान और प्रदूषण का साथ इस संकट को और खतरनाक बना रहा है–एक ऐसा दोहरा प्रहार जो शरीर और पर्यावरण दोनों को प्रभावित कर रहा है। गर्मी बढ़ते ही हवा में मौजूद जहरीले कण और सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सांस लेना कठिन हो जाता है। दिल्ली और आसपास की खराब होती हवा यह दिखा रही है कि समस्या सिर्फ गर्मी नहीं, बल्कि उसी हवा की है जिस पर जीवन निर्भर है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रहा है, और अस्पतालों में बढ़ती भीड़ संकेत है कि यह अब पर्यावरण नहीं, गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है।

ऐसे हालात में वर्ल्ड बैंक का हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट (300 डॉलर मिलियन) राहत की उम्मीद जगाता है। साफ हवा के लिए मॉनिटरिंग नेटवर्क का विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहन, कृषि और उद्योग सुधार सकारात्मक कदम हैं। लेकिन असली सवाल यही है कि क्या ये पर्याप्त हैं, या हम सिर्फ ऊपर-ऊपर से समस्या को संभाल रहे हैं? मॉनिटरिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा और कृषि सुधार जरूरी हैं, पर जब तक ये व्यापक और दीर्घकालिक नीति से नहीं जुड़ते, तब तक इनका असर सीमित ही रहेगा।

वास्तविक चुनौती उन जड़ों पर प्रहार करने की है जहां से यह संकट पैदा हो रहा है। तेज औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता, जंगलों की कटाई और अव्यवस्थित शहरी विस्तार ने प्राकृतिक संतुलन को गहराई से बिगाड़ दिया है। फिर भी हम प्रदूषण को मौसमी मानकर टाल देते हैं और गर्मी को अस्थायी असुविधा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन मार्च 2026 ने साफ कर दिया है कि यह सोच अब खतरे से खाली नहीं। जब असामान्यता ही सामान्य लगने लगे, तो इसका मतलब है कि हमने समस्या को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उससे लड़ने की तैयारी अब भी अधूरी है।

इस बदलते दौर का सबसे भारी असर आम लोगों की जिंदगी पर दिख रहा है, जहां रोजमर्रा अब सहज नहीं, संघर्ष बन गई है। एक साधारण परिवार के लिए पानी बचाना, बिजली संभालना और स्वास्थ्य सुरक्षित रखना लगातार चुनौती है। बच्चों का बाहर खेलना घट गया है, बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना जोखिम भरा है और कामकाजी लोगों के लिए काम की गति बनाए रखना कठिन हो रहा है। यह सिर्फ पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहरा कर रहा है–जहां साधन वाले खुद को बचा लेते हैं, वहीं कमजोर वर्ग पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

सबसे अहम सवाल यही है कि क्या हम सब कुछ देखते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं? लगातार चेतावनियां सामने हैं–बढ़ता तापमान, वैज्ञानिक रिपोर्टें, मौसम के संकेत–सब एक ही खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं। इसके बावजूद हमारी प्रतिक्रिया अक्सर सतही ही रहती है। हम तात्कालिक राहत के उपाय अपनाते हैं, जैसे ठंडक के लिए एसी या पानी का अस्थायी इंतजाम, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने से बचते हैं। यह सोच हमें कुछ समय जरूर दे सकती है, पर समस्या का हल नहीं।

अब जरूरत है कि इस संकट को पूरी गंभीरता से स्वीकार कर ठोस बदलाव की दिशा में आगे बढ़ा जाए। स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना, जल संरक्षण को प्राथमिकता देना, हरित क्षेत्र बढ़ाना और नीतियों में सख्ती लाना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुके हैं। साथ ही हर व्यक्ति की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि छोटे प्रयास मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अगर अब भी हम नहीं चेते, तो आने वाले समय में यह संकट और गहरा जाएगा। मार्च 2026 की यह तपिश केवल एक मौसम नहीं, बल्कि भविष्य का संकेत है–अब तय हमें करना है कि हम इसे चेतावनी समझते हैं या अपनी नियति।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

शक्ति, साधना और आत्म जागरण का महापर्व है – चैत्र नवरात्रि

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं होते, वे जीवन को दिशा देने वाले आध्यात्मिक सूत्र होते हैं। चैत्र नवरात्रि भी ऐसा ही एक महापर्व है, जो शक्ति, साधना और आत्म जागरण का संदेश लेकर आता है। वैदिक परंपरा के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नववर्ष का आरम्भ होता है, जिसे गुड़ी पड़वा के रूप में भी मनाया जाता है। यही वह कालखंड है, जब प्रकृति नवजीवन धारण करती है और मनुष्य को भी अपने भीतर नई ऊर्जा का संचार करने का अवसर मिलता है। चैत्र नवरात्रि के नौ दिन केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह आत्मशुद्धि, अनुशासन और आत्मबल अर्जित करने का सशक्त माध्यम हैं। माँ दुर्गा की उपासना के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने का संकल्प लेता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि असली शक्ति बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि हमारे अंत:करण की पवित्रता और दृढ़ संकल्प में निहित है। इस नवरात्रि का महत्व इसलिए भी विशेष है कि इसी काल में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्म हुआ था। राम ने भी लंका विजय से पूर्व माँ दुर्गा की आराधना कर यह सिद्ध किया कि बिना शक्ति साधना के कोई भी महान लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनकी भक्ति और समर्पण इस बात का प्रतीक है कि जब मनुष्य पूर्ण श्रद्धा से साधना करता है, तो स्वयं दिव्य शक्ति भी उसका मार्ग प्रशस्त करती है। आज के दौर में नवरात्रि की वास्तविक भावना कहीं न कहीं बाहरी आडंबरों में खोती जा रही है। उपवास और पूजा का स्वरूप दिखावे तक सीमित होता जा रहा है, जबकि इसका मूल उद्देश्य आत्मसंयम और अंतर्मन की शुद्धि है। सच्चा व्रत वही है, जो शरीर को नहीं, बल्कि मन को अनुशासित करे। ब्रह्म मुहूर्त में उठकर शुद्ध भाव से किया गया संकल्प ही साधना को सार्थक बनाता है।

दुर्गा सप्तशती का पाठ, मंत्र जाप और सात्विक जीवनशैली केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा को जागृत करने के प्रभावी साधन हैं। महर्षि मार्कण्डेय द्वारा वर्णित सप्तशती के 700 श्लोक आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, क्योंकि वे मनुष्य को भय, भ्रम और नकारात्मकता से मुक्त कर आत्मविश्वास और शांति प्रदान करते हैं। विशेष रूप से आज की युवा पीढ़ी के लिए यह पर्व एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। आधुनिक तकनीक और मोबाइल आधारित जीवनशैली ने मनुष्य को बाहरी रूप से तो सक्षम बनाया है, लेकिन आंतरिक रूप से वह विचलित और अस्थिर होता जा रहा है। ऐसे में नवरात्रि के नौ दिन आत्मचिंतन, संयम और आत्मबल को पुन: जागृत करने का स्वर्णिम अवसर हैं। यदि युवा इन दिनों में थोड़ी देर के लिए भी आभासी दुनिया से दूरी बनाकर आध्यात्मिक जीवन को अपनाएं, तो वे स्वयं में आश्चर्यजनक सकारात्मक परिवर्तन अनुभव कर सकते हैं। भारत की शक्ति केवल उसकी तकनीकी प्रगति में नहीं, बल्कि उसकी आध्यात्मिक विरासत में निहित है। यही कारण है कि हजारों वर्षों पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने चैत्र नवरात्रि से नववर्ष की शुरुआत का विधान किया, ताकि मनुष्य वर्ष के प्रारंभ में ही अपने मन, बुद्धि और आत्मा को संतुलित कर सके। अंतत: चैत्र नवरात्रि हमें यह सिखाती है कि जीवन में सफलता, शांति और समृद्धि प्राप्त करने के लिए बाहरी संसाधनों से अधिक आवश्यक है आंतरिक शक्ति का जागरण। जब मनुष्य अपने भीतर की दिव्य ऊर्जा को पहचान लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में विजयी बनता है।

अरविंद रावल

तेरह साल का इंतज़ार और एक कठिन विदाई

मानव जीवन की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि कभी-कभी जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा बहुत धुंधली हो जाती है। सामान्यतः हम जीवन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, क्योंकि जीवन को ईश्वर का सबसे बड़ा उपहार माना जाता है। लेकिन कुछ परिस्थितियाँ ऐसी भी होती हैं जब जीवन केवल सांसों का चलना भर रह जाता है और उसमें चेतना, संवाद और मानवीय गरिमा लगभग समाप्त हो जाती है। हाल के दिनों में चर्चा में आए हरीश राणा का मामला इसी विडंबना का एक अत्यंत मार्मिक उदाहरण बनकर सामने आया है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं है, बल्कि यह चिकित्सा, कानून, नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं के जटिल प्रश्नों को सामने लाने वाली घटना है।

हरीश राणा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले एक युवा थे। वर्ष 2013 में एक दुर्घटना ने उनका जीवन पूरी तरह बदल दिया। बताया जाता है कि वह पढ़ाई के दौरान एक इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और वह स्थायी कोमा जैसी अवस्था में चले गए। इस स्थिति को चिकित्सा भाषा में 'पर्सिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट' कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति जीवित तो रहता है, लेकिन उसके मस्तिष्क की चेतन क्रियाएँ लगभग समाप्त हो जाती हैं। वह न बोल सकता है, न चल सकता है, न अपने आसपास की दुनिया को समझ सकता है। हरीश पिछले तेरह वर्षों तक इसी अवस्था में जीवन और मृत्यु के बीच झूलते रहे।

इन वर्षों में उनका जीवन केवल चिकित्सा उपकरणों, दवाइयों और कृत्रिम पोषण के सहारे चल रहा था। परिवार ने उनकी देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ी। माता-पिता ने अपने बेटे को जीवित रखने के लिए हर संभव प्रयास किया। कई अस्पतालों में इलाज कराया गया, विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह ली गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। समय बीतने के साथ-साथ यह स्पष्ट होता गया कि अब उनके ठीक होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। डॉक्टरों ने भी यही राय दी कि मस्तिष्क को हुई गंभीर क्षति के कारण उनका सामान्य जीवन में लौटना लगभग असंभव है।

किसी भी माता-पिता के लिए यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक होती है। एक ओर उनके सामने अपने बच्चे को खो देने का भय होता है, तो दूसरी ओर उसे इस तरह निर्जीव अवस्था में वर्षों तक देखना भी कम कष्टदायक नहीं होता। हरीश राणा के परिवार ने लगभग तेरह वर्षों तक इस पीड़ा को सहा। उन्होंने अपने बेटे की सेवा में दिन-रात बिताए, लेकिन अंततः यह प्रश्न उनके सामने खड़ा हो गया कि क्या केवल सांस चलना ही जीवन कहलाता है। जब किसी व्यक्ति की चेतना समाप्त हो जाए, जब वह अपने अस्तित्व का अनुभव भी न कर सके, तब क्या उसे कृत्रिम साधनों के सहारे जीवित रखना मानवीय है या अमानवीय?

इन्हीं सवालों के साथ हरीश के परिवार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने न्यायालय से अनुरोध किया कि उनके बेटे को 'इच्छा मृत्यु' अर्थात् पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी जाए। यह एक अत्यंत संवेदनशील और जटिल कानूनी विषय है। भारत में सक्रिय इच्छामृत्यु यानी किसी व्यक्ति को जानबूझकर दवा देकर मृत्यु देना कानूनन अवैध है। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में 'पैसिव यूथेनेशिया' की अनुमति दी जा सकती है, जिसमें जीवन को कृत्रिम रूप से बनाए रखने वाले उपचार या उपकरणों को हटाया जाता है और मरीज को प्राकृतिक रूप से मृत्यु आने दी जाती है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए हरीश राणा के जीवन-रक्षक उपचार को हटाने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने यह निर्णय सुनाया। अदालत ने कहा कि व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है, और उसी प्रकार गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी मानवीय अधिकारों का हिस्सा है। अदालत ने निर्देश दिया कि उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती किया जाए और चिकित्सा विशेषज्ञों की देखरेख में पैसिव यूथेनेशिया की प्रक्रिया अपनाई जाए।

इस निर्णय के बाद जब हरीश राणा को एम्स ले जाया जा रहा था, तब परिवार के बीच अत्यंत भावुक दृश्य देखने को मिला। परिवार के लोग उनके पास खड़े होकर उन्हें विदा दे रहे थे। एक आध्यात्मिक कार्यकर्ता ने उनके पास खड़े होकर कहा, 'सबको माफ करते हुए, सबसे माफी मांगते हुए अब जाओ।' यह शब्द केवल एक व्यक्ति के लिए विदाई नहीं थे, बल्कि जीवन की गहरी सच्चाइयों को व्यक्त करने वाले शब्द थे। उस क्षण में वर्षों की पीड़ा, संघर्ष, आशा और निराशा सब एक साथ दिखाई दे रहे थे।

यह घटना केवल एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं है। इसने पूरे देश में एक नई बहस को जन्म दिया है। सवाल यह है कि क्या जीवन को हर कीमत पर बनाए रखना आवश्यक है, या फिर कभी-कभी व्यक्ति की गरिमा और पीड़ा को देखते हुए उसे प्राकृतिक मृत्यु की अनुमति देना अधिक मानवीय हो सकता है। चिकित्सा विज्ञान का उद्देश्य जीवन को बचाना है, लेकिन जब जीवन केवल कृत्रिम उपकरणों पर निर्भर रह जाए और उसमें चेतना का कोई संकेत न हो, तब डॉक्टरों और परिवार के सामने नैतिक दुविधा खड़ी हो जाती है।

इस मामले ने यह भी दिखाया कि चिकित्सा निर्णय केवल वैज्ञानिक नहीं होते, बल्कि उनमें गहरी मानवीय संवेदनाएँ भी शामिल होती हैं। डॉक्टरों के लिए भी यह आसान निर्णय नहीं होता कि किसी मरीज के जीवन-रक्षक उपकरण हटाए जाएँ। इसलिए ऐसी स्थितियों में कई स्तरों पर चिकित्सकीय और कानूनी समीक्षा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि निर्णय पूरी तरह मानवीय, नैतिक और कानूनी आधार पर लिया गया है।

हरीश राणा का मामला भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ी बहस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। इससे पहले भी 'अरुणा शानबाग' जैसे मामलों ने इस विषय पर चर्चा को जन्म दिया था। लेकिन हरीश राणा का मामला इसलिए अलग है क्योंकि इसमें अदालत ने पहली बार स्पष्ट रूप से जीवन-रक्षक उपचार हटाने की अनुमति दी और इसे 'गरिमा के साथ मृत्यु' के अधिकार से जोड़ा इस घटना का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि इसमें किसी प्रकार की सनसनी नहीं है, बल्कि केवल मानवीय पीड़ा और करुणा है। एक परिवार ने अपने बेटे को तेरह वर्षों तक संभालकर रखा, उम्मीद की कि शायद कोई चमत्कार हो जाए। लेकिन जब यह स्पष्ट हो गया कि वह कभी सामान्य जीवन में वापस नहीं लौट पाएगा, तब उन्होंने भारी मन से उसे मुक्त करने का निर्णय लिया। यह निर्णय लेना किसी भी माता-पिता के लिए शायद दुनिया का सबसे कठिन निर्णय होता है।

जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि वह अनिश्चित है। कभी-कभी जीवन हमें ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करता है जहाँ कोई भी विकल्प आसान नहीं होता। हरीश राणा की कहानी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि जीवन केवल सांसों का नाम नहीं है, बल्कि चेतना, अनुभव और सम्मान के साथ जीने का नाम है। जब ये सब समाप्त हो जाएँ, तब शायद मृत्यु भी एक प्रकार की मुक्ति बन जाती है। इस घटना ने समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह संदेश करुणा, संवेदना और मानवीय गरिमा का है। यह हमें याद दिलाता है कि कानून और चिकित्सा के निर्णय केवल नियमों से नहीं, बल्कि मनुष्यता की गहराई से भी जुड़े होते हैं। हरीश राणा की कहानी अंततः हमें यही सिखाती है कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम है और कभी-कभी प्रेम का सबसे कठिन रूप किसी प्रिय व्यक्ति को शांति से विदा कर देना भी होता है।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

स्वराज्य सेवा फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को किया नए कपड़े, रंग, गुलाल एवं मिठाइयों का वितरण

सीतापुर। स्वराज्य सेवा फाउंडेशन द्वारा होली के पावन पर्व पर समाज के जरूरतमंद परिवारों एवं बच्चों के बीच नए कपड़े, रंग, गुलाल एवं मिठाइयों का वितरण कर एक सराहनीय सेवा कार्य संपन्न किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य उन परिवारों के जीवन में खुशियों के रंग भरना था, जो आर्थिक अभाव के कारण त्योहार की खुशियों से वंचित रह जाते हैं।इस सेवा अभियान में संस्था के सक्रिय कार्यकर्ता प्रणव सिंह राजपूत, कमल शर्मा, आकाश पांडेय एवं अर्जुन वाल्मीकि की विशेष भूमिका रही। इन सभी ने पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की तथा वितरण कार्य को सफल बनाया। संस्था इनके सेवा भाव, नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करती है। स्वराज्य सेवा फाउंडेशन निरंतर रूप से गौसेवा, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा सहायता, तथा गरीब परिवारों के लिए राशन वितरण जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय है। संस्था का उद्देश्य केवल त्योहारों तक सीमित न रहकर वर्ष भर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग तक सहयोग पहुँचाना है। युवाओं का कार्य निरंतर रूप से बहुत ही ज़्यादा प्रशंसनीय है, युवा प्रणव लगातार सेवा कार्य में निरंतर रूप से लगे रहते है।

सार्वजनिक उद्घोषणा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुकदमा अपराध संख्या 11/2023, धारा 419, 420, 467, 468, 471, 504, 506 एवं 120B भा.दं.वि., थाना खजनी, जनपद गोरखपुर के द्वारा पंजीकृत कराए गए अभियोग 11/2023 में धारा उपरोक्त में थाना विकास नगर से वांछित अभियुक्त प्रदीप कुमार गुप्ता पुत्र राम बहादुर गुप्ता, निवासी मोहल्ला धर्मशाला, वार्ड नंबर 9, थाना मैलानी, जनपद लखीमपुर खीरी, माननीय न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर लगातार फरार /अपना छुपाव पुलिस एवं माननीय न्यायालय से बराबर बनाए हुए हैं

उक्त अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय श्रीमान एसीजी एम 4 महोदय द्वारा पूर्व में गैर-जमानती वारंट (NBW) जारी किया गया था, जिसकी तामीली न होने और अभियुक्त के छिपने के कारण माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 13/02/2026 को धारा 82 Cr.P.C. के तहत उद्घोषणा की कार्रवाई करने का आदेश निर्गत किया गया है।

अतः इस उद्घोषणा के माध्यम से अभियुक्त प्रदीप कुमार गुप्ता को सूचित किया जाता है कि वह नियत तिथि व समय के भीतर माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित हो, अन्यथा उसके विरुद्ध धारा 83 Cr.P.C. के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आवश्यकता है

सम्बद्धता स्ववित्त पोषित योजना अन्तर्गत प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज उ. प्र.

आर. आर. महाविद्यालय बैजलपुर अमरगढ़ पट्टी प्रतापगढ़ 230124 को प्राचार्य 01 पद, स्नातक स्तर पर - कला संकाय, हिंदी साहित्य 01 पद, संस्कृत 01 पद, प्राचीन इतिहास 01 पद, राजनीति विज्ञान 01 पद, शिक्षाशास्त्र 01 पद, गृहविज्ञान 01 पद, समाजशास्त्र 01 पद, विज्ञान संकाय जन्तु विज्ञान 01 पद, वनस्पति विज्ञान 01 पद, रसायन विज्ञान 01 पद, भौतिक विज्ञान 01 पद, गणित 01 पद परास्नातक स्तर पर हिंदी साहित्य 02 पद, प्राचीन इतिहास 02 पद, गृहविज्ञान 02 पद

योग्यता- यू.जी. सी. के मानकानुसार नेट/पी.एच. डी. वेतनमान स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत राज्यसरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान देय होगा। इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 15 दिन के अन्दर समस्त प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति तीन नवीन फोटो संलग्न कर पंजीकृत डाक द्वारा भेंजे।

प्रबन्धक
पंकज यादव
मो0-9670115555

रोजगार सेवक की आत्महत्या पर गरमाई सियासतः अजय राय ने परिजनों से की मुलाकात, कांग्रेस ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

● .....आर्थिक तंगी और मानदेय न मिलने से आहत थे रमेश प्रजापति; ब्लॉक अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन, मुआवजे और नौकरी की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ! राजधानी लखनऊ के विकासखण्ड मोहनलालगंज के फत्तेखेड़ा (कनकहा) गांव में ग्राम रोजगार सेवक रमेश कुमार प्रजापति की आत्महत्या के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। आर्थिक तंगी और लंबे समय से मानदेय न मिलने से आहत रमेश ने 15 मार्च 2026 को रायबरेली के बछरावां में आत्महत्या कर ली, जिससे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी, साथ ही प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने ज्ञापन सौंपकर बताया कि रमेश आर्थिक संकट और पारिवारिक जिम्मेदारियों, खासकर अपनी 5 वर्षीय बेटी अयान्शी की जरूरतें पूरी न कर पाने के कारण मानसिक तनाव में थे। कांग्रेस ने मृतक परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा, पत्नी संगीता को संविदा पर नौकरी, बकाया मानदेय व ईपीएफ का तत्काल भुगतान और सभी रोजगार सेवकों की समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि जल्द न्याय न मिलने पर पार्टी बड़ा आंदोलन करेगी, जबकि गांव में लोगों ने भी प्रशासन से सख्त कार्रवाई और परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय नहीं मिला और रोजगार सेवकों की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी । कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मृतक के पिता और बड़े भाई से काफी देर तक बातचीत की। उन्होंने इस घटना को प्रशासनिक संवेदनहीनता का चरम बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ चट्टान की तरह खड़ी है।

किशोरी ने की आत्महत्या, मचा कोहराम

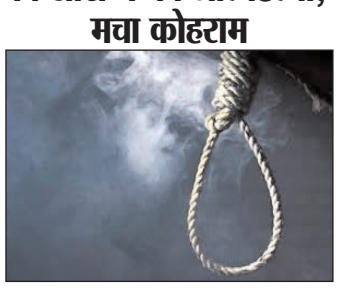

लालगंज, प्रतापगढ़। घर के अंदर किशोरी के द्वारा आत्महत्या को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया। लालगंज कोतवाली के डगारा गांव में शिवकुमार वर्मा की पुत्री कविता 16 ने मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे घर के अंदर दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। घटना के समय मृतका किशोरी की मां खेत गयी थी। मृतका का पिता कारोबारी के सिलसिले में बाहर रहता है। चर्चा के मुताबिक घटना की सुबह किशोरी का अपने छोटे भाई से विवाद हो गया। अचानक किशोरी के आत्महत्या की खबर मिलते ही उसकी मां बदहवाश होकर घर पहुंची। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया।

नगर पंचायत में तीन सभासद नामित, क्षेत्र में खुशी की लहर

● विकास को मिलेगी नई गति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नगर पंचायत लालगंज में तीन नए सभासदों का नामांकन किया गया है। शासन के इस निर्णय से क्षेत्र में खुशी का माहौल व्याप्त है। समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का स्वागत किया है। नामित सभासदों में वार्ड नंबर 11 के निवासी गिरजा शंकर उर्फ शानू बाजपेई, वार्ड नंबर 3 कृष्णा नगर बाईपास निवासी राजेश निर्मल तथा कोरिहई मोहल्ला की निवासिनी दीपा सिंह शामिल हैं।

तीनों नव-नामित सभासदों को स्थानीय लोगों ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। लोगों का कहना है कि नए सभासद जनसमस्याओं को मजबूती से उठाएंगे और क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। नामित सभासदों ने शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। साथ ही नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर कार्तिकेय शंकर बाजपेई, विमलेश अग्निहोत्री, आदित्य मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, कैलाश बाजपेई, सीपी पांडेय, दीप प्रकाश शुक्ला, विवेक शर्मा, संदीप कुमार, पवन द्विवेदी, उमेश श्रीवास्तव, जितेंद्र सविता, संतोष कुमार, धर्मेंद्र पांडे, सुरेश श्रीवास्तव, आशीष कुमार सहित अनेक लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास ने पूतना वध व श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम सभा ओथी में इन दिनों मोक्षदाहिनी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्त के वातावरण में संपन्न हो रहा है। यजमान आशीष मौर्य के निवास पर आयोजित इस पुण्य अनुष्ठान का संकल्प क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा निवासी आनंद मिश्रा द्वारा लिया गया है यह उनके द्वारा संकल्पित छठवीं श्रीमद्भागवत कथा है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथा स्थल पर सप्तवेदी, गणेश,अंबिका, रूद्र हनुमत देव सहित विभिन्न देवताओं की विधिवत स्थापना कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है।

आपको बता दें कि, मंगलवार को कथा के पांचवें दिन सिधौना अमांवा से पधारी कथा व्यास संध्या साध्वी ने कृष्ण की बाल लीलाओं एवं पूतना का वध जैसे प्रसंगों का व्याख्यान करते हुए बताया कि, गोकुल में कृष्ण जन्म उत्सव मनाया गया भगवान जब 7 दिन के थे तब उन्होंने पूतना का वध कर दिया। भगवान ने कंस द्वारा भेजे गए सभी राक्षसों का वध कर दिया। भगवान गोकुल में माखन चुराते हैं और वहां पर वीणु वादन लीला करते हैं भगवान गोकुल छोड़कर वृंदावन निवास करने लगते हैं। कथा व्यास ने श्री कृष्ण लीला एवं पूतना का वध जैसे प्रसंगों पर कथा कहते हुए पांडाल में उपस्थित समस्त श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। कथा के विराम पश्चात आरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया कथा स्थल पर पूरे दिन भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। आयोजनकर्ता आनंद मिश्रा ने बताया कि, उनके द्वारा जीवनपर्यंत श्रीमद् भागवत कथा जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन निरंतर कराया जाता रहेगा जिससे समाज में धर्म संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रसार होता रहे। इस मौके पर यज्ञशाला के मुख्य यज्ञाचार्य पंडित योगेंद्र तिवारी, उपयज्ञाचार्य पंडित अमरेश शुक्ला, पंडित अरूण त्रिपाठी, व्यवस्थापक सोनू मौर्य, अवधेश मौर्य, संत प्रसाद, बबलू प्रजापति, संकठा प्रसाद, बाबा जयजयराम, दिनेश कोटेदार, शिवकुमार, कन्हैया मौर्य, शंकर मौर्य, महेंद्र, धुन्नू, जगप्रसाद सहित आदि भक्त उपस्थित रहे।

सप्त ऋषि (सतरिख) दियानत नगर में सामूहिक यज्ञोपवीत एवं विद्वत सम्मेलन संपन्न, 16 बटुकों ने धारण किया जनेऊ

● अयोध्या और काशी के विद्वान आचार्यों के सानिध्य में गूँजे वैदिक मंत्र

यज्ञोपवीत के बिना संध्यावंदन और गायत्री जप का अधिकार नहीं: आचार्य कन्हैयालाल मिश्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बाराबंकी, भारतीय संस्कृति के आधार स्तंभ वेदों के अध्ययन का अधिकार प्रदान करने वाले 'उपनयन संस्कार' (यज्ञोपवीत) का भव्य आयोजन आज हरख ब्लॉक के अमर बलिदानियों की जन्मभूमि, दियानत नगर के ऐतिहासिक मेला मैदान में संपन्न हुआ। सप्तर्षि संस्थानम् ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस द्विदिवसीय सामूहिक यज्ञोपवीत एवं विद्वत सम्मेलन में चैत्र मास और मीन संक्रांति के शुभ संयोग पर प्रयागराज, काशी और अयोध्या के प्रकांड विद्वानों द्वारा 16 बटुकों को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जनेऊ धारण कराया गया।

कार्यक्रम के प्रथम दिन यजमान आचार्य कन्हैयालाल मिश्र (सपत्नीक) एवं संयोजक आचार्य रविकांत मिश्र व आचार्य सीताकान्त स्वयंभू के सानिध्य में प्रायश्चित कर्म और पंचांग पूजन संपन्न हुआ। संध्या काल में अयोध्या और वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा भजन संध्या एवं प्रवचन का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस की शुरुआत बटुकों के मुंडन संस्कार से हुई। तत्पश्चात भगवान गणेश, गायत्री, सावित्री और सरस्वती आदि वेदियों पर देवताओं का आवाहन कर पूजन किया गया। आचार्य रविकांत मिश्र ने सभी बटुकों को कान में गायत्री मंत्र की दीक्षा दी।

मुख्य अतिथि महंत ओम प्रकाश दास जी महाराज (तपस्वी छावनी, अयोध्या) ने कहा, 'यह क्षेत्र भगवान श्रीराम की शिक्षा-दीक्षा की पावन भूमि है। यहाँ सामूहिक यज्ञोपवीत का आयोजन एक ऐतिहासिक पहल है। मुख्य वक्ता महंत श्री लक्ष्मण दास जी महाराज (लक्ष्मण कुंज, अयोध्या) ने संस्कार की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कार ही नर को नारायण बनाते हैं। उन्होंने प्रत्येक द्विज को प्रतिदिन कम से कम एक माला गायत्री मंत्र का जप करने का सूत्र दिया। आचार्य कन्हैयालाल मिश्र ने संबोधित करते हुए कहा, 'यज्ञोपवीत द्विजत्व का प्रतीक है। शास्त्रों के अनुसार 'संध्याहीनोऽशुचिर्नित्यम', अर्थात संध्यावंदन न करने वाला व्यक्ति सदैव अपवित्र माना जाता है और उसके कर्म निष्फल होते हैं। समाज के आत्म- कल्याण के लिए यह आयोजन अनिवार्य है।'

संयोजक आचार्य रविकांत मिश्र ने बताया कि जिन कुलों में पीढ़ियों से यज्ञोपवीत नहीं हुआ था, उन्हें 'व्रात्यस्तोमादि' प्रायश्चित के माध्यम से पुनः वैदिक परंपरा से जोड़ा गया है। सह-संयोजक सीताकान्त स्वयंभू ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यज्ञोपवीत संस्कार भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार है।कार्यक्रम के संयोजक आचार्य रविकांत मिश्रा द्वारा महंत ओम प्रकाश दास जी महाराज (तपस्वी छावनी अयोध्या) व आचार्य कन्हैयालाल मिश्र राष्ट्रीय हिंदू सनातनी सेना के अध्यक्ष राहुल दीक्षित एवं ब्राह्मण कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र तिवारी, महामंत्री देश दीपक मिश्रा, देव प्रकाश मिश्रा को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल शुक्ला एडवोकेट, दीपक मिश्रा रमाकांत शास्त्री, राहुल शर्मा, उमाकांत शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन का भव्य होली मिलन समारोह, अधिवक्ताओं ने बढ़ाया आपसी सौहार्द

● .....वार्षिक साधारण सभा में संगठन की योजनाओं पर मंथन, उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्य सम्मानित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन, लखनऊ द्वारा सोमवार को शहनाई गेस्ट हाउस, सेक्टर-4, विकास नगर में वार्षिक साधारण सभा के साथ भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लेकर आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ होली का पर्व मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र ने की, जबकि संचालन महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

इस दौरान अधिवक्ताओं ने फूलों की होली खेलते हुए एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएँ दीं और रंगारंग माहौल में आपसी संवाद व मेलजोल के जरिए संगठन की एकता को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इससे पूर्व आयोजित वार्षिक साधारण सभा में संघ के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संगठन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही संघ के संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान महामंत्री शिवकुमार पाण्डेय ने अधिवक्ता मोहम्मद सलीम को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम के अंत में सभी अधिवक्ताओं के लिए सहभोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर अध्यक्ष संजय मिश्र ने कहा कि ऐसे आयोजन अधिवक्ताओं के बीच सहयोग, एकता और सौहार्द को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वहीं महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय ने बताया कि संघ द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे अधिवक्ताओं के बीच समन्वय और भाईचारा और अधिक मजबूत होता है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अधिवक्ताओं के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

मिश्रिख में 'मनरेगा बचाओ यात्रा' का समापन, डीएम को सौंपा गया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख/सीतापुर। कांग्रेस पार्टी द्वारा सुनीता चौधरी के नेतृत्व में आयोजित 'मनरेगा बचाओ यात्रा' का समापन आज मिश्रिख में हुआ। यह यात्रा मछरेहटा ब्लॉक के परसदा गांव से शुरू होकर गोंदलामऊ ब्लॉक के विभिन्न गांवों से गुजरते हुए मिश्रिख क्षेत्र के कई गांवों में पहुंची। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने मनरेगा से जुड़े मुद्दों को लेकर ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद मिश्रिख स्थित डाक बंगला में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बैठक के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी सीतापुर को ज्ञापन सौंपकर मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का शीघ्र भुगतान, जॉब कार्ड बनाने में आ रही समस्याओं का समाधान तथा अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही ज्ञापन में वर्तमान में हो रही गैस सिलेंडर की किल्लत को जल्द से जल्द दूर करने, आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाने और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा गरीब और मजदूर वर्ग के लिए महत्वपूर्ण योजना है, लेकिन वर्तमान में कई जगहों पर इसके क्रियान्वयन में अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से योजना को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से लागू करने की मांग की, ताकि जरूरतमंद लोगों को इसका पूरा लाभ मिल सके।

इस मौके पर अनुपम राठौर (सांसद प्रतिनिधि, कांग्रेस पार्टी सीतापुर), हसीना खातून, आंशू शुक्ला, मनोज अग्रवाल, रामआसरे राठौर, ब्रजकिशोर राठौर, जितेंद्र सक्सेना,रमेश यादव, प्रेम यादव सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, स्थानीय पदाधिकारी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर मनरेगा से जुड़ी समस्याओं के समाधान और जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की तथा प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

कानपुर से लेकर आगरा तक के यात्रियों को बड़ा झटका, 2 अप्रैल से ये ट्रेनें रहेंगी कैंसिल; कई का बदला रूट

लखनऊ। कानपुर होकर पुणे, झांसी, आगरा सहित कई शहरों की यात्रा करने वाले यात्रियों की मुश्किलें दो अप्रैल से बढ़ जाएंगी। रेलवे कानपुर सेंट्रल-कानपुर पुल बायां किनारा के मध्य ब्रिज संख्या 110 पर इंजीनियरिंग कार्य करेगा। इस कारण मेगा ब्लाक होगा और ट्रेनें कानपुर व अनवरगंज में ही निरस्त होंगी। एक अप्रैल से 11 मई तक 12107 एलटीटी - सीतापुर एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल पर 3:30 घंटे रोकी जाएगी कासगंज से एक अप्रैल से 13 मई तक चलने वाली 55346 कासगंज-लखनऊ पैसेंजर और लखनऊ जंक्शन से दो अप्रैल से 14 मई तक चलने वाली 55345 कासगंज पैसेंजर लखनऊ से कानपुर के बीच निरस्त होगी

लखनऊ-कानपुर के बीच निरस्त होंगी यह ट्रेनें

- दो अप्रैल से 13 मई तक 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ इंटरसिटी

-दो अप्रैल से 14 मई तक 12179 लखनऊ जंक्शन-आगरा फोर्ट इंटरसिटी

-सात अप्रैल से 12 मई तक 12103 पुणे-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस

-आठ अप्रैल से 13 मई तक लखनऊ जंक्शन-पुणे एक्सप्रेस

- दो अप्रैल से 13 मई तक 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्शन झांसी- लखनऊ इंटरसिटी

-दो अप्रैल से 13 मई तक चलने वाली 11110 लखनऊ -

कस्बे के तीन लोगों को नामित सभासद बनाए जाने से भाजपाइयों में खुशी की लहर

महराजगंज/रायबरेली। उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2 सन् 1916) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा नगर पंचायत महराजगंज के लिए तीन सदस्यों को सभासद के लिए नामित किया है। आपको बता दें कि, तीन सभासदों के नामित होने पर भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

महराजगंज नगर पंचायत के आर्य नगर वार्ड के लिए अनुपमा पाण्डेय, शांति नगर के लिए विजय कुमार धीमान व पैगम्बर नगर वार्ड के लिए सूर्य प्रकाश वर्मा को सभासद के लिए नामित किया गया है। राज्यपाल द्वारा नामित सभासदों की सूची आने के पश्चात क्षेत्र में खुशी का माहौल है और क्षेत्रीय लोग उक्त सदस्यों की इस सफलता पर उनके द्वारा लगातार संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार किये जा रहे प्रयासों का परिणाम बता रहे हैं। वहीं बधाई देने वालों में पूर्व विधायक रामलाल अकेला, चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू, पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह राठौर, वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, पूर्व मंडल अध्यक्ष सरदार फत्तेह सिंह, मंडल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष जन्मेजय सिंह, शिव रमन सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता विद्यासागर अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव, युवा भाजपा नेता सरोज गौतम, भाजपा नेता पवन साहू, भाजपा नेत्री सुधा अवस्थी, व्यापारी नेता सुधीर साहू, दिनेश कुमार उर्फ भल्लू ठेकेदार, पूर्व सभासद शिवम तिवारी, सुमित चौरसिया एडवोकेट सहित अनेक लोगों ने बधाई दी।

आगरा के ट्रांसपोर्ट नगर में हादसा, वेल्डिंग के दौरान ट्रक के डीजल टैंक में धमाका, कारीगर बुरी तरह जला

आगरा। ट्रांसपोर्ट नगर के सेक्टर छह में मंगलवार दोपहर ट्रक के डीजल टैंक में वेल्डिंग के दौरान धमाका हो गया। धमाके बाद लगी आग ने वेल्डिंग कारीगर और आसपास रखे टायरों को चपेट में ले लिया। धमाके के साथ फटी टंकी के टुकड़े कई मीटर दूर तक जाकर गिरे। आसपास के लोग दहशत में आ गए। घायल कारीगर को गंभीर हालत में एसएन इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। घटना मंगलवार दोपहर 12:30 बजे की है। ट्रक की बाडी बनाने वाले बबलू ठाकुर की दुकान पर ककरैठा निवासी कारीगर 42 वर्ष से वासुदेव काम करता है। मंगलवार को वासुदेव ट्रक की डीजल टैंक में वेल्डिंग कर रहा था। इसी दौरान टैंक में धमाका हो गया, उसकी टुकड़े आसपास कई मीटर दूर तक जाकर गिरे। आग की लपटों ने वासुदेव को चपेट में ले लिया। वहां जुटे लोगों ने पास में लगे सबमर्सिबल की मदद से आग पर काबू पाया। तब तक वासुदेव बुरी तरह जल से गए थे। मौके पर पहुंचे ट्रांसपोर्ट नगर चौकी इंचार्ज मुकेश कुमार, ऑटो मोबाइल पार्ट्स कारोबारी मृदुल चंसौलिया ने वासुदेव को एसएन इमरजेंसी में भर्ती कराया। साथ ही तत्परता से आग को बुझाया।

कार्यालय ग्रा.पं. खजूरडीह वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत खजूरडीह ली.ख. कटेहरी जनपद अंबेडकरनगर में मनरेगा/राज्य/15वां/ केंद्रीय वित्त/के योजनाअंतर्गत लिखित कार्य के लिए सामग्री ईट, सीमेंट, बालू,मोरंग, गिट्टी, पत्थर गिट्टी, रबर मोल्ड इंटरलॉकिंग ईट, ईटआदि हेतु आपूर्ति मालिकों व आपूर्तिकर्ताओं से अपने लेटर पैड पर मुहर बंद निविदाएं दिनाँक 19/03/ 2026 से 23/03/2026 तक की अवधि में ग्राम पंचायत कार्यालय के कार्य अवधि में आमंत्रित की जाती है तथा दिनाँक 23/03/2026 को अधोहस्ताक्षरित निविदाओं के समक्ष खोली जाएगी। किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

आपूर्ति हेतु सामग्री निम्नवत है।

परियोजना का नाम-

(1) पक्की सड़क से रामकली के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।

बचौना देवी
प्रधान
ग्रा.पं. ग्राम खजूरडीह वि.ख.
कटेहरी अंबेडकर नगर

आनंद पांडे
सचिव
ग्रा.पं. ग्राम खजूरडीह वि.ख.
कटेहरी अंबेडकर नगर

संक्षिप्त खबरें

बढ़ सकती हैं नोरा फतेही और संजय दत्त की मुश्किलें! 'सरके चुनर' गाने को लेकर दिल्ली पुलिस में शिकायत

नोरा फतेही-संजय दत्त का गाना 'सरके चुनर' विवादों में।

अश्लील बोल और फिल्मांकन को लेकर दिल्ली पुलिस में शिकायत।

'केडी द डेविल' फिल्म का गाना सोशल मीडिया पर ट्रोल।

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया गाना 'सरके चुनर' रिलीज होते ही अपने अश्लील लीरिक्स को लेकर विवादों में आ गया है। यह गाना आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और अब इसकी शिकायत दिल्ली पुलिस तक पहुंच गई है। मूवी केडी द डेविल का गाना अपने अश्लील बोल और सेंशुअलिटी के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी हो रहा है। दिल्ली पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि इस गाने के लिरिक्स बेहद आपत्तिजनक और अश्लील होने के साथ ही गाने का फिल्मांकन भी वल्गर है।

कौन है शिकायतकर्ता?

सरके चुनर गाने के लिरिक्स को लेकर वकील विनीत जिंदल ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि गाने की शिकायत फिल्म सर्टिफिकेशन बोर्ड के अलावा उन्होंने दिल्ली पुलिस में की है। बोर्ड से गाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। वहीं पुलिस को दी शिकायत में कहा गया है कि गाने के लिरिक्स और सीन दोनों ही बहुत ज्यादा अश्लील और हार्मफुल हैं।

नोएडा में स्कूली वाहनों की सुरक्षा पर परिवहन विभाग सख्त, प्रबंधक पर होगी कार्रवाई

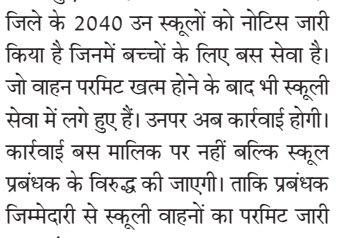

नोएडा। स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। बिना फिटनेस और परमिट के स्कूल वाहन सड़कों पर चलता मिला तो प्रबंधक पर एफआइआर दर्ज कराई जाएगी। इसके लिए स्कूल बस संचालक एजेंसी या वेंडर को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता।

परिवहन विभाग की ओर से निर्देश जारी

परिवहन विभाग की ओर से यह स्पष्ट निर्देश स्कूल संचालकों को जारी किए गए हैं। परिवहन विभाग ने दस दिनों का समय दिया है। जिसके अंतराल में उन बस मालिकों को परमिट कराना होगा जो बगैर परमिट दौड़ रही हैं। अक्सर स्कूली वाहन और बसें अधूरे कागजों के साथ ही चलती हैं। जिसका पता अप्रिय घटना होने के बाद चलता है। फिर तमाम सरकारी महकमे पर कार्य में शिथिलता बरतने को लेकर सवाल उठते हैं। इसको मद्देनजर रखते हुए परिवहन विभाग ने सख्ती की है। जिले के 2040 उन स्कूलों को नोटिस जारी किया है जिनमें बच्चों के लिए बस सेवा है। जो वाहन परमिट खत्म होने के बाद भी स्कूली सेवा में लगे हुए हैं। उनपर अब कार्रवाई होगी। कार्रवाई बस मालिक पर नहीं बल्कि स्कूल प्रबंधक के विरुद्ध की जाएगी। ताकि प्रबंधक जिम्मेदारी से स्कूली वाहनों का परमिट जारी करवाएं।

गुरुग्राम में साइड मांगने पर भड़का विवाद बना जानलेवा, पत्थर से वार कर बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिले के डूंडाहेड़ा गांव में पेंटर का काम करने वाले एक युवक ने 65 साल के बुजुर्ग की पीट-पीटकर और सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी। उद्योग विहार थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। साथ ही जांच करते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया। मृत बुजुर्ग की पहचान डूंडाहेड़ा गांव के रहने वाले जगदीश के रूप में की गई। बताया जाता है कि वह सोमवार रात घर के पास वाली गली से गुजर रहे थे। आरोपित मोनू गली में ही खड़ा था। जगदीश ने आरोपित युवक मोनू को साइड में होने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। झगड़े में जगदीश ने मोनू को थप्पड़ मार दिया। इस पर मोनू ने भी जगदीश को नीचे गिरा दिया और थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। सीने में भी लात घूसे मारे। साथ ही पास में पड़ा पत्थर उठाकर जगदीश के चेहरे और सिर में मार दिया। इससे बुजुर्ग बेहोश हो गया और खून बहने लगा। आसपास के लोगों ने मोनू को पकड़ लिया, बुजुर्ग को उसके कब्जे से छुड़वाया और पुलिस को सूचना दी। घायल बुजुर्ग को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के आपत्तिजनक वीडियो मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला, विनोद तिवारी को मिली सशर्त जमानत

● विनोद तिवारी को प्रधानमंत्री मोदी के आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने के आरोप में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी है।

● अदालत ने कहा कि आरोपी ट्रिपल टेस्ट पर खरा उतरता है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आपत्तिजनक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के आरोपी को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि आरोपित ट्रिपल टेस्ट यानि फरार होने, साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने और गवाहों को प्रभावित करने पर खरा उतरता है।

विनोद तिवारी की जमानत याचिका पर सुनवाई

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर ने आरोपित विनोद तिवारी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआइआर दर्ज की थी। आरोपित 14 मार्च से न्यायिक हिरासत में था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किए जा चुके हैं और फिलहाल आगे की कस्टोडियल पूछताछ की आवश्यकता नहीं है। साथ ही, आरोपों में अधिकतम सजा तीन साल तक है और ट्रायल में समय लग सकता है।

आरोपित को रिहा करने का आदेश

अदालत ने आरोपित को सशर्त जमानत देते हुए आरोपित को रिहा करने का आदेश दिया। हालांकि, अदालत ने सख्त शर्तें भी लगाई, जिनमें देश छोड़कर न जाना, साक्ष्यों से छेड़छाड़ न करना, गवाहों को प्रभावित न करना, जांच में सहयोग करना और अपना मोबाइल नंबर हमेशा सक्रिय रखना शामिल है।

अभियोजन के अनुसार, मोहम्मद अब्दुल्ला की शिकायत पर दर्ज एफआइआर में आरोप है कि विनोद तिवारी नाम से चल रहे फेसबुक अकाउंट से एआइ-जनित और मार्फ्ड वीडियो साझा किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री को आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था। इससे सार्वजनिक व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका जताई गई।

जांच एजेंसी ने बताया कि आरोपित ने वीडियो डाउनलोड कर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया। पुलिस के मुताबिक इस मामले में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है और डिजिटल साक्ष्यों की जांच जारी है। अन्य लोगों की संलिप्तता की भी पड़ताल की जा रही है। मामले में आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 336 (मानहानि के इरादे से जालसाजी), 356 (आपराधिक मानहानि) और 353 (लोक शांति भंग करने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ रैली निकालने वाले 139 सफाईकर्मी हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेजे गए, आठ को जेल

नोएडा। प्राधिकरण के सिविल में जनस्वास्थ्य विभाग को मर्ज करने के विरोध में नेताओं के बरगलाने पर सौ प्रतिशत पर तैनात सफाईकर्मी कई दिन से हड़ताल पर थे। नेताओं के आह्वान पर सोमवार को सेक्टर-21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम से सेक्टर-6 स्थित नोएडा प्राधिकरण तक पैदल मार्च कर विरोध प्रदर्शन रैली निकालने की योजना थी। पुलिस ने मुस्तैदी से स्टेडियम के गेट नंबर पांच से 139 प्रदर्शनकारी को उनके नेता समेत हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। जहां से निजी मुचलका पर 131 कर्मियों को देर शाम छोड़ दिया गया, जबकि देर शाम यूनियन नेता सतबीर मकवाना, साधु मकवाना, बबलू पारचा, रवि पारचा, राधे पारचा, सुनील टोंक, राहुल, नितिन को जेल भेज दिया गया।बता दें कि यूनियन नेताओं ने प्राधिकरण अधिकारियों को सोमवार को शक्ति प्रदर्शन दिखाने के लिए दिल्ली से तमाम कर्मचारियों को बुलाया था, इसके लिए सेक्टर-12 की दुकानों की लोकेशन दिल्ली भेजी गई। यहां से छोटे-छोटी टुकड़ी में कर्मचारी सेक्टर-21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम पर एकत्र हुए, यहां पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया।

दो शिक्षिका के साथ छिनैती मामले में दर्ज हुआ केस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज- प्रतापगढ़। दो अलग अलग जगहों पर शिक्षिका के साथ छिनैती व छिनैती का प्रयास की घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के शीतलमऊ की शालिनी बाला सिंह पत्नी महेन्द्र प्रताप सिंह राजकीय बालिका इण्टर कालेज शीतलमऊ में शिक्षिका हैं। पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती सोलह मार्च को सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह घर से कॉलेज जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में गौतमपुर के समीप अचानक बाइक से दो बदमाश पहुंचे और शिक्षिका के स्कूटी के आगे आकर उसकी सोने की बाली व चेन छीनने लगे। हिम्मत दिखाते हुए शिक्षिका ने सोने की चेन को बगल गेहूं के खेत में फेंक दिया और शोर मचाया तो बदमाश भाग निकले। खोजबीन के बाद शिक्षिका की चेन खेत से बरामद हो गयी। मामले में पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं दूसरी घटना में सदर कोतवाली के अष्टभुजा नगर निवासी उपेन्द्र बहादुर सिंह पुत्र स्व0 अयोध्या प्रसाद सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उनकी बहू माया सिंह पत्नी शशांक सिंह लीलापुर थानान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय पूरनपुर खजूर में शिक्षिका है। बीते सोलह मार्च को सुबह करीब ग्यारह बजे वह विद्यालय में परीक्षा कार्य सम्पन्न करा रही थी। आरोप है कि इसी बीच बाइक से आये दो बदमाश विद्यालय में घुस आये और शिक्षिका के गले की चेन छीनने लगे। छीना झपटी में बदमाश शिक्षिका की आधी चेन लेकर भाग निकले जबकि आधी शिक्षिका के हाथ में ही रह गयी। थाना प्रभारी वैकुण्ठनाथ पाण्डेय ने कहा कि जांच के बाद बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

प्रस्फुटन समितियों के लिए क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल/बुढ़ार। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में ब्लॉक बुढ़ार अंतर्गत नवांकुर संस्था मां शैलपुत्री फाउंडेशन द्वारा जैतपुर सेक्टर के ग्राम पंचायत जैतपुर के सभागार में एक दिवसीय प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर कार्यरत प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों की कार्यक्षमता को बढ़ाना, ग्राम विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा परिषद की योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने जन अभियान परिषद की कार्यप्रणाली, जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सामाजिक समरसता और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने एमआईएस में डाटा फीडिंग के महत्व को भी समझाया।

इस अवसर पर परामर्शदाता चंद्रशेखर वर्मा एवं कैलाश पाण्डेय ने प्रतिभागियों को अपने-अपने क्षेत्रों में परिषद की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने तथा ग्राम विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में सरपंच दुर्गा सिंह, गीता सिंह, अर्जुन सोनी सहित नवांकुर संस्था के पारसमणि सिंह, जगदीश रजक, प्रशांत त्रिपाठी, सुशील सिंह एवं बड़ी संख्या में प्रस्फुटन समिति के सदस्य और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

भदोही: माननीय जिला न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही के कुशल मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही द्वारा जिला कारागार ज्ञानपुर भदोही का निरीक्षण किया गया। जेल में निरूद्ध बन्दियों से उनकी समस्याओं और सुविधाओं के बारे में पूछा गया तथा बन्दियों को निःशुल्क सरकारी अधिवक्ताओं के विषय में जानकारी दी गयी। जेल में पूर्व से संचालित प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महिला बन्दियों से भी मुलाकात की गयी तथा उनकी समस्याओं के बारे में पूछा गया तथा विधिक सलाह दिया गया। जेल निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक, असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल भदोही उपस्थित रहे। जिला सूचना कार्यालय भदोही द्वारा प्रसारित।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का हुआ समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, मीरजापुर। नरोत्तम सिंह पदम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन जूनियर राजकीय हाईस्कूल, खानपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मृणालिनी सिंह, मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश, प्रधानाध्यापक, राजकीय महाविद्यालय के प्रो दिनेश कुमार यादव, प्रो राकेश कुमार, डॉ सबीहा नाज, प्रो. महेंद्र नाथ, डॉ अशोक कुमार, डॉ नीलम यादव, डॉ अरुण प्रताप सिंह, डॉ पवन कुमार, डॉ राम नरेश यादव, डॉ मनीष कुमार मिश्र, डॉ चाऊ चंद तथा कर्मचारी, एनएसएस वॉलंटियर, ग्रामवासी, छोटे छोटे बच्चे उपस्थित रहे। टोली नं दो की खुशबू, रिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। सप्त दिवसीय शिविर में डॉ प्रेम यादव तथा वरिष्ठ एनएसएस वालंटियर अंकित पांडे, राधा, आकांक्षा प्रभाकर, शैलेशलता द्वारा सिखाए गए विविध कार्यक्रम को एनएसएस वॉलंटियर ने अपनी अपनी टोली के साथ प्रस्तुत किया। साक्षी दूबे, सरोजनी शर्मा, श्रेया सिंह, मुस्कान, रिया, पलक पटेल, अंजली, अंशिका द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, लक्ष्य गीत, कजरी, देशभक्ति गीत जैसे विविध प्रस्तुत कार्यक्रमों को देखकर सभी लोग एवं ग्रामवासी प्रसन्नचित, जागरूक एवं खुश हुए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रेम यादव ने विशेष शिविर में प्रतिदिन की कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए कहा कि सात दिन से चल रहे शिविर के शिविरार्थी ग्राम खानपुर, पतलुकिया, मगरहा, सोनवर्षा में जन जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा, स्वच्छता, नशा मुक्ति, नारी सशक्तिकरण, मतदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ दीपक कुमार वर्मा, श्रीमती आँचल सिंह, डॉ अरुण प्रताप सिंह, डॉ सुशील कुमार, डॉ मधु तिवारी, योग गुरु श्री अवधेश जी, श्री सतीश कुमार ने अपने विचार प्रस्तुत किए थे। योग गुरु श्री अवधेश जी ने शिविर कैम्प में आकर विभिन्न प्रकार के योग उनके नियम के बारे में बताते हुए शिविरार्थियों को प्रशिक्षित किया, जिसमें सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और उनके द्वारा बुकलेट, योग कैलेंडर भी वितरित किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने अपनी उद्बोधन में कहा कि स्वयंसेवकों को स्वामी विवेकानंद की जीवनी को आत्मसात करना और उनके सिद्धांतों पर चलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो मृणालिनी सिंह, प्राचार्य नरोत्तम सिंह पदम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ने अपने संबोधन में समाज के प्रति एनएसएस वॉलंटियर के दायित्वों को बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्देशन में सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने परिसर में वृक्षारोपण किया। जिसमे सभी एनएसएस वॉलंटियर ने 'जीवन को बचाना है, तो हर दिन वृक्ष लगाना है गांव गांव गली गली, वृक्षारोपण की लहर चली' जैसे नारे लगाते रहे, जिससे पूरा परिसर गुंज उठा। राष्ट्रीय सेवा योजना लक्ष्य गीत, राष्ट्र गान के बाद सात दिवसीय विशेष शिविर समाप्त होने की घोषणा कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रेम यादव द्वारा किया गया।

कुमारगंज नगर पंचायत में तीन सभासद नामित

● कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या। आदर्श नगर पंचायत कुमारगंज में शासन द्वारा तीन नए सभासदों के नामित होने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। नामित सभासदों में भारतीय जनता पार्टी के कुमारगंज मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र मौर्य, मंडल उपाध्यक्ष अरुण गोस्वामी तथा पूर्व महामंत्री अनीत सिंह शामिल हैं। मनोनयन की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। नगर पंचायत के खंडासा मोड़ पर अरुण गोस्वामी और अनीत सिंह का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित किया और लड्डू खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए इसे संगठन की मजबूती और सरकार की जनहितकारी नीतियों का परिणाम बताया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इन नए नामित सभासदों के जुड़ने से नगर पंचायत में विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी। उनका मानना है कि अब बोर्ड की बैठकों में विकास से जुड़े मुद्दों पर अधिक प्रभावी ढंग से चर्चा होगी, जिससे योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा। वहीं, नव-नामित सभासदों ने अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य नगर पंचायत के प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना रहेगा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने का भी आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष वंशी धर शर्मा, सभासद राम अचल शुक्ला, रवि सिंह, लव कुमार मिश्रा, सूरज कौशल, शीतला प्रसाद वाजपेई, कुंवर बहादुर मिश्रा, कृष्ण केवल मिश्रा, सुरजीत जायसवाल, प्रदीप सिंह अनिल अग्रहरि, संतोष पाण्डेय मौजूद रहे।

कुमारगंज पुलिस ने शिकायतकर्ता की तहरीर बदलवाई

● एसएसपी के आदेश के बावजूद मारपीट मामले में नहीं दर्ज की एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या। अयोध्या जिले के कुमारगंज पुलिस पर एक मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज न करने का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता का दावा है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के बावजूद पुलिस ने उसकी मूल तहरीर बदलवा दी है। कुमारगंज थाना क्षेत्र के लिलहा रसूलपुर गांव निवासी धीरेंद्र कुमार ने बताया कि 21 फरवरी 2026 को उनके पड़ोसी उनकी जमीन पर जबरन निर्माण कार्य करा रहे थे। उन्होंने मिल्कीपुर तहसील समाधान दिवस में एसडीएम से इसकी शिकायत की थी, जिन्होंने जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। धीरेंद्र कुमार के अनुसार, 14 मार्च की सुबह उनके पड़ोसियों ने, जो उनकी जमीन पर अवैध निर्माण कर रहे थे, उनके घर में घुसकर मारपीट की। इस दौरान उनकी मां प्रेमपता के कान का बाला और भाभी के गले का मंगलसूत्र छीन लिया गया। शोर मचाने पर लोग इकट्ठा हुए तो हमलावर अपने घर चले गए। पीड़ित धीरेंद्र कुमार ने बताया कि वे 16 मार्च को अपनी मां के साथ अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिले थे। एसएसपी ने कुमारगंज पुलिस को प्रेमपता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। धीरेंद्र कुमार का आरोप है कि जब वे शिकायती पत्र लेकर थाने पहुंचे, तो थानाध्यक्ष ने उनकी मूल तहरीर को बदलवा दिया। थाने के दीवान ने उन्हें बोल-बोलकर नई एप्लीकेशन लिखवाई और कहा कि पुरानी तहरीर को नई में शामिल कर लिया जाएगा। शिकायतकर्ता धीरेंद्र कुमार ने कुमारगंज पुलिस की इस कार्रवाई पर असंतोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि जिस तहरीर के आधार पर उन्होंने मुकदमा दर्ज करने को कहा था, उसे बदल दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी द्वारा थाना गोपीगंज का किया गया आकस्मिक निरीक्षण एवं दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

भदोही दिनांक-17.03.2026 को अभिनव त्यागीपुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना गोपीगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय के विभिन्न रजिस्टरों, अभिलेखों के रख-रखाव मिशन शक्ति केंद्र व साइबर हेल्प डेस्क आदि का अवलोकन करते हुए विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। महिला अपराध सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही करने व लम्बित विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। गर्मी के मौसम के दृष्टिगत आगन्तुकों/पीड़ितों के लिए पीने हेतु साफ जल की व्यवस्था/प्रबन्ध करने एवं परिसर की साफ-सफाई हेतु दिये गये विशेष निर्देश। सभी पुलिस अधि0/कर्मचारियों को अच्छा टर्न आउट रखने हेतु निर्देशित किया गया।

निषाद बस्ती पर कब्जे का प्रयास, सीएम को संबोधित सौंपा ज्ञापन

● ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर किया प्रोटेस्ट, मुख्यमंत्री से किया कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- निषाद समुदाय के लोगों ने कलेक्ट्रेट पर मंगलवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपकर अपनी बस्ती पर कथित कब्जे के प्रयास और जान से मारने की धमकी देने वाले दबंगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह मामला ग्राम पंचायत करौंदिया देहात के बलुआ गांव स्थित गाटा संख्या 64 घ. से संबंधित है। ग्रामीणों के अनुसार, इस भूमि पर निषाद समुदाय के लोग सैकड़ों वर्षों से निवास कर रहे हैं। बताया गया है कि 16 मार्च को शाम लगभग 4 बजे, प्रदीप दुबे नामक व्यक्ति अपने साथ जेसीबी, मजदूर, और हथियारबंद बदमाशों को लेकर गांव पहुंचा। आरोप है कि उसने निषाद बस्ती खाली कराने के लिए अभद्र गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी।

दबंग प्रदीप दुबे ने कथित तौर पर धमकी दी कि वह अकबरपुर, कानपुर और अयोध्या से गुंडे लाकर पूरे गांव को 'जंग में तब्दील' कर देगा और एक-एक व्यक्ति को दौड़ा-दौड़ाकर मरवा देगा, या फिर ग्रामीण जमीन छोड़कर कहीं और ठिकाना बना लें। ग्रामीणों ने तुरंत 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया, लेकिन आरोप है कि पुलिस द्वारा कोई विशेष कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि किसी भी समय गंभीर अप्रिय घटना हो सकती है, जिससे पूरे गांव की जान-माल को खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रदीप दुबे और अन्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, निषाद बस्ती को बेघर होने से रोकने और की मांग की है।

ग्रेटर नोएडा में 250 करोड़ की अधिसूचित जमीन से हटाया गया अतिक्रमण, कार्रवाई से मचा हड़कंप

जेवर। यमुना प्राधिकरण की टीम ने मंगलवार को एयरपोर्ट को 60 मीटर चौड़ी सड़क की कनेक्टिविटी देने वाली सड़क की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। यमुना प्राधिकरण ने बुलडोजर चलाकर 250 करोड़ रुपए की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। इस जमीन पर ज्यादातर बाहरी लोगों ने अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा था, जिसकी वजह से एयरपोर्ट तक बनने वाली 60 मीटर रोड का काम अधर में लटका हुआ था। यमुना प्राधिकरण के विशेष कार्य अधिकारी शैलेंद्र सिंह मंगलवार दोपहर प्राधिकरण एसडीएम मनोज सिंह, अभिषेक शाही, और अन्य अधिकारियों के साथ जेवर के दयानतुपर गांव पहुंचे। प्राधिकरण के अधिसूचित 7.02 हेक्टेयर जमीन पर बुलडोजर चलाकर अवैध रूप से बनाए गए निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। ओएसडी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि कब्जा मुक्त कराई गई जमीन का बाजार भाव लगभग 250 करोड़ रुपए से अधिक का है। जल्द ही इस जमीन पर एयरपोर्ट को जोड़ने वाली 60 मीटर रोड और ग्रीन बेल्ट का निर्माण शुरू हो जाएगा।

दिल्ली में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, हल्की बारिश के साथ चलेगी तेज हवा; येलो अलर्ट जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

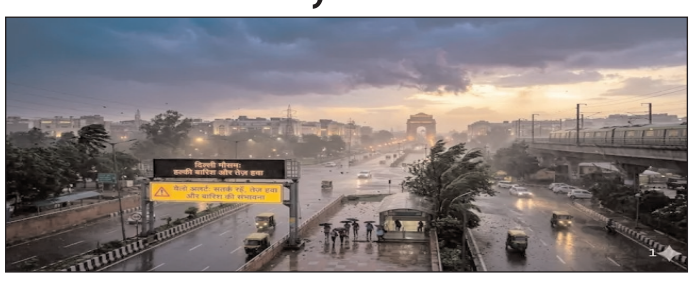

नई दिल्ली। बुधवार से राजधानी में फिर से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव के साथ बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की वर्षा होने की संभावना है।

तेज हवाएं चलने की संभावना

बृहस्पतिवार और शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। तीनों दिन सुबह और शाम के समय हल्की वर्षा और बिजली कड़कने की संभावना है। साथ ही 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मंगलवार को मौसम सामान्य के आसपास रहा। दिन के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

बादल छाए रहने की संभावना

मौसम विभाग ने बुधवार के लिए सामान्य रूप से बादल छाए रहने की संभावना व्यक्त की है। कई जगहों पर 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चलेंगी। कई बार यह 40 किमी प्रति घंटे तक जा सकती हैं। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं दूसरी राजधानी की वायु गुणवत्ता फिलहाल बेहतर बनी हुई है। मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआइ 189 दर्ज हुआ, इसे ''मध्यम'' श्रेणी में रखा जाता है। हाल फिलहाल इसमें अधिक बदलाव की गुंजाइश नहीं लग रही।